भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न 342
17/03/2026 को उत्तरार्थ

विषय: तंबाकू किसानों के लिए वैकल्पिक फसलें और आजीविका

***342. श्री यदुवीर वाडियारः**

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने तंबाकू किसानों के लिए वैकल्पिक फसलों और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए कोई विकासात्मक या परिवर्तनकारी योजनाएं तैयार की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में तंबाकू की खेती से हटकर फसल विविधीकरण को सहायता प्रदान करने के लिए पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्यों को किए गए बजटीय आवंटन का कर्नाटक सहित राज्य-बार ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में विशेषकर मैसूर जिले सहित, जहां पारंपरिक रूप से तम्बाकू की खेती की जाती है, कर्नाटक में विगत पांच वर्षों के दौरान तंबाकू की खेती के अंतर्गत आने वाली कितनी भूमि वैकल्पिक फसलों के लिए अंतरित की गई है;

(घ) इन कार्यक्रमों के अंतर्गत बाजरा, तिलहन, बागवानी या संबद्ध कार्यकलापों और किन-किन प्रमुख वैकल्पिक फसलों और मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा दिया गया है और इनमें किसानों की भागीदारी कितनी है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार प्रभावित किसानों की आय में संवहनीय परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए मैसूर जैसे तंबाकू उत्पादक जिलों के लिए क्षेत्र-विशिष्ट सहायता उपायों, विशेषकर बाजार संपर्क, मूल्य आश्वासन या प्रसंस्करण अवसंरचना जैसे उपाय करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

“तंबाकू किसानों के लिए वैकल्पिक फसलें और आजीविका” विषय के संबंध में लोकसभा में श्री यदुवीर वाडियार द्वारा पूछे गए दिनांक 17/03/2026 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 342 के भाग (क) से (ङ) के संबंध में उल्लिखित विवरण।

(क): जी हाँ, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग वर्ष 2015-16 से कर्नाटक सहित प्रमुख तंबाकू उत्पादक राज्यों में फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी) कार्यान्वित कर रहा है, जिसका उद्देश्य किसानों को तंबाकू की खेती के स्थान पर वैकल्पिक फसलों तथा फसल पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। तंबाकू उत्पादक राज्य किसी भी केन्द्रीय प्रायोजित योजना/राज्य योजना के तहत अनुमोदित लागत मानदंडों के अनुसार, तंबाकू के स्थान पर वैकल्पिक फसलों या फसल पद्धतियों को अपनाने के उद्देश्य से उपयुक्त कदम उठा सकते हैं तथा हस्तक्षेप कर सकते हैं।

(ख) एवं (ग): पिछले पांच वर्षों के दौरान, अर्थात् वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक, कुल 48.67 करोड़ रुपये की राशि फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी)- एक तंबाकू घटक- के अंतर्गत प्रमुख तंबाकू उत्पादक राज्यों को आवंटित की गई है जिनमें से 10.88 करोड़ रुपये की राशि कर्नाटक राज्य को आवंटित की गई है। आवंटित की गई राशि का राज्य-वार विवरण **अनुबंध-I** में संलग्न है। पिछले पांच वर्षों के दौरान, देश में, इस योजना के तहत तंबाकू की खेती का वैकल्पिक फसलों के लिए परिवर्तित किया गया क्षेत्र 31,934 हेक्टेयर है। कर्नाटक तथा विशेषकर मैसूरु में, तंबाकू की खेती का वैकल्पिक फसलों में परिवर्तित किए गए क्षेत्र का विवरण निम्नानुसार है:-

राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, कर्नाटक तथा मैसूरु में तंबाकू की खेती के स्थान पर वैकल्पिक फसलों के लिए उपयोग किया गया क्षेत्र।					
					क्षेत्रफल: हेक्टेयर में
	2021-22	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**	**2025-26**
कर्नाटक	379	228	1133	2011	2126
मैसूरु	180	116	101	227	879

(घ): फसल विविधीकरण कार्यक्रम (सीडीपी) के माध्यम से, कर्नाटक राज्य द्वारा बेलगावी, हासन और मैसूरु जिलों में विभिन्न पहलें आरंभ की जा रही हैं। किसानों में संबंधित विषय में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के अतिरिक्त, कृषि विभाग द्वारा अनाज, मिलेट्स, दलहन, तिलहन तथा गन्ना जैसी वैकल्पिक फसलों पर प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी प्रकार, राज्य द्वारा बागवानी विभाग द्वारा आम, केला, अदरक और हल्दी जैसे मसालों तथा विभिन्न सब्जियों सहित बागवानी फसलों पर प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं।

(ड.): कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि मैसूरु के लिए क्षेत्र-विशिष्ट सहायता उपायों के अंतर्गत, मक्का-फली/लोबिया/रागी या रागी-लोबिया जैसी बहु-फसली या क्रमिक फसल आधारित प्रदर्शनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी प्रकार, जल संचयन संरचनाओं तथा खेत फसलों/वृक्षों, पशुधन एवं मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन तथा साइलेज/वर्मीकम्पोस्ट सहित एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कर्नाटक सरकार, किसानों को मूल्य आश्वासन तथा निर्धारित आय प्रदान किया जाना सुनिश्चित करने के लिए, किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर दलहन और अनाज खरीद रही है। इसके अतिरिक्त, सरकार, "प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई)" योजना तथा राज्य की "कर्नाटक रायथा समृद्धि योजना (केआरएसवाई)" के तहत, प्रसंस्करण और फसल-उपरांत अवसंरचना को भी बढ़ावा दे रही है।

अनुबंध-I

तंबाकू की फसल के विविधीकरण के लिए आवंटित फंड का राज्य-वार विवरण।

					रुपए लाख में
राज्य	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**	**2025-26**
आंध्र प्रदेश	319	319	345	345	320
बिहार*	27	27	-	-	-
गुजरात	302	302	302	302	-
कर्नाटक	240	240	244	244	120
ओडिशा*	4	4	-	-	-
तमिलनाडु	8	8	8	8	8
तेलंगाना	16	16	15	15	14
उत्तर प्रदेश	57	57	213	213	58
पश्चिम बंगाल	28	28	28	28	35

*राज्य की ओर से कोई मांग न होने के कारण फंड आवंटित नहीं किया गया है।

*****